चीन से लैपटाप, पर्सनल कंप्यूटर और मेडिकल डिवाइस का आयात घटा

पीएलआइ स्कीम वाले इलेक्ट्रानिक उत्पादों के आयात में सबसे ज्यादा गिरावट

नई दिल्ली, प्रेट्र: वित्त वर्ष 2022-23 में चीन से लैपटाप, पर्सनल कंप्यूटर (पीसी), इंटीग्रेटेड सर्किट और सोलर सेल जैसे इलेक्ट्रानिक सामानों के आयात में गिरावट आई है। इकोनमिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआइ) की रिपोर्ट के मुताबिक, इलेक्ट्रानिक वस्तुओं के आयात में गिरावट उल्लेखनीय है, क्योंकि इस सेक्टर में ही सबसे ज्यादा उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआइ) की शुरुआत की गई है। 2021-22 की तुलना में पिछले वित्त वर्ष (2022-23) में चिकित्सा उपकरणों का आयात 13.6 प्रतिशत घटकर 2.2 अरब डालर रह गया। इसी तरह, सोलर सेल, पुर्जे, डायोड का आयात 2022-23 में 70.9 प्रतिशत घटकर 1.9 अरब डालर रह गया। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष में लैपटाप, पर्सनल कंप्यूटर का आयात 23.1 प्रतिशत घटकर 4.1 अरब डालर और मोबाइल फोन का आयात 4.1 प्रतिशत घटकर 85.7 करोड़ डालर रह गया। इंटीग्रेटेड सर्किट का आयात 4.5 प्रतिशत घटकर 4.7 अरब डालर रह गया। वहीं यूरिया और दूसरे फर्टिलाइजर का आयात 26 प्रतिशत घटकर 2,3 अरब डालर रह गया।

ईवी की बिक्री में तेजी से लीथियम आयन बैटरी का आयात लगभग 96 प्रतिशत बढ़कर 2.2 अरब डालर हो गया

91 अरब डालर रहा चीन से वस्तुओं का आयात वित्त वर्ष 2022-23 में

94.6 अरब डालर था चीन से वस्तुओं का आयात वित्त वर्ष 2021-22 में

पीएलआइ सीमित तरीके से व्यापार घाटे को कम करने की कोशिश कर रहा है। इसके सकारात्मक परिणाम भी दिखाई दे रहे हैं। ईवी बैटरी के लिए हमें लीथियम आयन सेल तो लैपटाप के लिए पीसीबी का उत्पादन करना चाहिए। **-अजय श्रीवास्तव**, को-फाउंडर, जीटीआरआइ

चीन चौथा बड़ा निर्यात गंतव्य

अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात और नीदरलैंड के बाद चीन चौथा देश जिसे भारत सबसे ज्यादा निर्यात करता है। खास बात यह है कि पिछले वित्त वर्ष के दौरान जहां पहले तीन देशों को किए जाने वाले निर्यात में बढ़ोतरी हुई है वहीं चीन को किए जाने वाले निर्यात में गिरावट दर्ज की गई है।

खास बात यह है कि पिछले वित्त वर्ष में लीथियम-आयन बैटरी का आयात लगभग 96 प्रतिशत बढ़कर 2.2 अरब डालर हो गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईवी की बिक्री में तेजी से इस तरह के आयात में तेज वृद्धि हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन से आयात धीमा होने को तीन बिंदुओं में समझ सकते हैं। सबसे पहले, चीन से इलेक्ट्रानिक्स का आयात वित्त वर्ष 2021-22 के 30.3 अरब डालर से घटकर वित्त वर्ष 2022-23 में 27.6 अरब डालर रह गया। दूसरा प्रमुख बिंदु यह है कि वैश्विक आयात की तुलना में 2022-23 में चीन से भारत का कुल वस्तु आयात 4.2 प्रतिशत की दर से बढ़ा। इस दौरान भारत का वैश्विक आयात 16.1 प्रतिशत की दर से बढ़ा। तीसरा प्रमुख बिंदु यह है कि भारत के वस्तु आयात में चीन की हिस्सेदारी जहां 2017-18 में 16.4 प्रतिशत थी, वहीं 2022-23 में यह घटकर 13.8 प्रतिशत रह गई। विभिन्न वस्तुओं के आयात में गिरावट के बावजूद चीन, भारत का शीर्ष आयात आपूर्तिकर्ता बना है।